DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 जनवरी 2023

पुराने किले में पुनः उत्खनन

प्रसंग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ,पुराना किला में फिर से उत्खनन के लिए तैयार है।

प्रमुख बिंदु -:

- वर्ष 2013-14 और 2017-18 में इस किले का उत्खनन _की जा चुकी है। यह पुराना किला में खुदाई का तीसरा सत्र होगा।

नवीनतम उत्खनन का उद्देश्य:

- नवीनतम उत्खनन का उद्देश्य खोदी गई खाइयों का अनावरण और संरक्षण है।
- पिछले सीजन के उत्खनन के बंद होने के दौरान, यहाँ मौर्य काल से पहले के समय के प्रमाण मिले थे।
- इस सत्र के उत्खनन के दौरान, स्ट्रैटी ग्राफिकल संदर्भ में पेंटेड ग्रे वेयर खोज के निशान को पूरा करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- इंद्रप्रस्थ की प्राचीन बस्ती के रूप में पहचाने गए इस किले में 2500 वर्षों पूर्व का एक सतत निवास स्थान प्राप्त हुआ था।

पूर्व के उत्खनन में प्राप्त निष्कर्ष:

- पहले के उत्खनन में जो निष्कर्ष और कलाकृतियाँ मिली हैं उनमें 900 ईसा पूर्व से संबंधित चित्रित ग्रे तथा मौर्य से लेकर शुंग, कुषाण, गुप्त, राजपूत, सल्तनत और मुगल काल तक के मिट्टी के बर्तनों का क्रम प्राप्त हुआ है ।
- उत्खनित कलाकृतियाँ जैसे दरांती, टेराकोटा के खिलौने, भट्ठा-जली हुई ईंटें, मनके, टेराकोटा की मूर्तियाँ, मुहरें और व्यवहार आदि अब किले परिसर के अंदर पुरातत्व संग्रहालय में प्रदर्शित हैं।

पुराना किला के बारे में :

- पुराना किला, 16वीं शताब्दी का किला है, जिसे शेर शाह सूरी और दूसरे मुगल बादशाह हुमायूं ने बनवाया था।
- पुराना किला आकार में लगभग आयताकार है तथा इसमें लगभग दो किलोमीटर का घेरा है।
- उत्तरी द्वार मार्ग, जिसे तलकुई दरवाजा या निषिद्ध प्रवेश द्वार कहा जाता है, हिंदू छतरियों और कोष्ठकों के साथ आमतौर पर इस्लामिक नुकीले मेहराब पाया जाता है।
- दक्षिणी प्रवेश द्वार जिसे हुमायूं दरवाजा भी कहा जाता है लगभग उत्तरी दरवाजे के समान है। जाने वाले की भी ऐसी ही योजना थी।
- पुराना किला के विशाल प्रवेश द्वार और दीवारों का निर्माण हुमायूँ द्वारा किया गया था तथा यहाँ हुमायूँ ने अपनी नई राजधानी दीनपनाह की नींव रखी गई थी।
- हुमायूँ को विस्थापित करने के बाद शेरशाह सूरी पुराने किले के निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के बारे में:

- संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्विक शोध और संरक्षण के लिए प्रमुख संगठन है।
- एएसआई का प्रमुख कार्य प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्व के अवशेषों का रखरखाव है।
- यह प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार देश में सभी पुरातात्विक गतिविधियों को नियंत्रित करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग का विनियमन

प्रसंग

हाल ही में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने ऑनलाइन गेमिंग नियमों पर सार्वजनिक परामर्श का एक और दौर आयोजित किया।
सभी प्रमुख उद्योग निकायों, नीति समर्थन समूहों और उद्योग हितधारकों ने नीति पर विचार-विमर्श किया।

मुख्य बिंदु :

- मंत्रालय ने इस माह के आरम्भ में ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में मसौदा संशोधन जारी किया था।

प्रस्तावित मसौदा नियम :

- यह सत्यापन और उपयोगकर्ता जुड़ाव के लिए प्रक्रियाओं और मानदंडों को निर्धारित करता है। ।
- **ऑनलाइन गेम की परिभाषा**
  - मसौदा प्रस्ताव यह परिभाषित करता है कि 'ऑनलाइन गेम' क्या है।
    - इसके अनुसार "ऑनलाइन गेम, एक गेम है जो इंटरनेट पर प्रस्तुत किया जाता है तथा एक उपयोगकर्ता तक कंप्यूटर संसाधन के माध्यम से इसे खेलता है तथा जीत की उम्मीद करता है"।
    - यहाँ जीतने के परिणामस्वरूप नकद या वस्तु के रूप में पुरूस्कार है। ।
    - यह 'कौशल के खेल' और 'अवसर के खेल' की परिभाषाओं के बारे में चर्चा को संबोधित करता है।
    - ध्यातव्य है कि पब्लिक गैंबलिंग एक्ट (1867) में 'कौशल का खेल' शब्द का प्रयोग किया गया था परन्तु इस

• स्व-नियामक निकाय तंत्र

- मसौदा नियम भारत में 'ऑनलाइन गेम' के रूप में अनुमति देने के लिए एक स्व-नियामक निकाय का प्रस्ताव करते हैं।
  - वे स्व-नियामक निकाय द्वारा पंजीकृत सभी ऑनलाइन गेम पर एक पंजीकरण चिह्न भी निर्धारित करते हैं।
  - MeitY को प्रस्तावित ढांचे के तहत सभी स्व-विनियमित निकायों को मान्यता देने तथा और यदि आवश्यक हो तो गैर-मान्यता देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
  - 0 किसी गेम को होस्ट या प्रकाशित करने से पहले, प्लेटफॉर्म को इसे स्व-नियामक निकाय से सत्यापित करना होगा।
- गेमिंग प्लेटफॉर्म से उम्मीद की जाती है कि वे निम्नलिखित को नियुक्त करेंगे-
  - मुख्य अनुपालन अधिकारी- कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ उनके आदेशों या मांगों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए समन्वय करना।
  - नोडल संपर्क व्यक्ति - किसी भी समय आवश्यक समन्वय की सुविधा के लिए।
  - शिकायतों की प्राप्ति और समाधान के लिए एक उपयुक्त तंत्र।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग बाजार

- राजस्व - 2022 में $1.5 बिलियन और 2025 में $5 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

अधिनियम में इस पद को परिभाषित नहीं किया गया।

- ऑपरेटरों को उपयोगकर्ता को अपनी जमा राशि की वापसी या वापसी से संबंधित नीति, इसके संरक्षण के लिए किए गए उपायों, संभावित वित्तीय नुकसान के जोखिम और खेल से जुड़ी लत के बारे में सूचित करना होगा।
- सत्यापन के लिए एकत्र की गई जानकारी का उपयोग उपयोगकर्ता की सामग्री के बिना किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है।

- 2017-2020 के बीच CAGR भारत में 38% चीन में 8%, अमेरिका में 10% होने की सम्भावना है ।
- इसके 2024 तक राजस्व में 153 बिलियन रुपये तक पहुंचने के लिए 15% की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है।
- भारत में भुगतान करने वाले नए उपयोगकर्ताओं (एनपीयू) का प्रतिशत 2020 में 40% और 2021 में 50% तक था पहुंचने के साथ लगातार दो वर्षों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा है।
- लेन-देन आधारित खेलों का राजस्व भारत में 26% बढ़ा है ।

संक्षिप्त सुर्खियां

हिम तेंदुआ

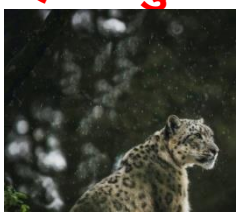

प्रसंग

हाल ही में, हिम तेंदुए को हिमालय में एक अज्ञात स्थान पर देखा गया।

प्रमुख बिंदु :-

- मनुष्यों द्वारा बहुत कम देखे जाने के कारण इसे 'पहाड़ों का भूत' कहा जाता है।
- भारत सरकार ने इसे उच्च ऊंचाई वाले हिमालय के लिए प्रमुख प्रजाति के रूप में नामित किया है।

हिम तेंदुआ

- यह मध्य और दक्षिण एशिया की पर्वत श्रृंखलाओं का मूल निवासी है।
- वैज्ञानिक नाम- पेंथेरा उनसिया।
- वितरण
  - हिम तेंदुए की निवास सीमा एशिया के 12 देशों अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान , के पर्वतीय क्षेत्रों में फैली हुई है: ।
  - भारत में, ये मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में पाए जाते हैं।

भोजन

- ये मांसाहारी होते हैं ।

	▪ हिम तेंदुआ तिब्बत और हिमालय की नीली भेड़ (भारल) का शिकार करता है, साथ ही साथ अपनी सीमा के बाकी हिस्सों में पाए जाने वाले पहाड़ी आइबेक्स का भी शिकार करता है। **अस्तित्व के लिए संकट** ▪ मानव बस्ती का विस्तार, पशुओं की चराई, अवैध शिकार, विलुप्त आवास तथा शिकार इनके अस्तित्व हेतु मुख्या संकट हैं। **संरक्षण** ▪ आईयूसीएन लाल सूची - सुभेद्य । ▪ साइट्स- परिशिष्ट I। ▪ WPA 1972 - अनुसूची I।
ऋण-हानि का प्रावधान 	**सन्दर्भ :-** हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने "ऋण हानि प्रावधान" पर एक चर्चा पत्र प्रकाशित किया, जिसमें ऋण चूक के मामले में बैंकों द्वारा प्रावधानीकरण के लिए अपेक्षित हानि (EL)-आधारित दृष्टिकोण अपनाने के लिए एक रूपरेखा प्रस्तावित की गई। **ऋण-हानि प्रावधान:** • आरबीआई एक ऋण हानि प्रावधान को एक ऐसे व्यय के रूप में परिभाषित करता है जिसे बैंक डिफाल्ट ऋणों के लिए अलग रखते हैं। • बैंक घाटे को पूरी तरह या आंशिक रूप से कवर करने के लिए अपने पोर्टफोलियो में सभी ऋणों से अपेक्षित ऋण चुकौती के एक भाग को अलग कर देते हैं। • घाटा होने की स्थिति में, अपने नकदी प्रवाह में घाटा उठाने के बजाय, बैंक हानि को कवर करने के लिए अपने ऋण हानि भंडार का उपयोग कर सकता है। • चूंकि बैंक के सभी ऋणों के बैड लोन होने की सम्भावना नहीं होती अतः पर ऋण हानि भंडार में किसी एक या कुछ ऋणों की आवश्यकता होने पर पूर्ण हानि को कवर करने के लिए पर्याप्त होता है। • भंडार के संतुलन में वृद्धि को "ऋण हानि प्रावधान" कहा जाता है। • बैंक की सुरक्षा और सुदृढ़ता की रक्षा के लिए अपेक्षित स्तर के आधार पर ऋण हानि प्रावधान का स्तर निर्धारित किया जाता है। • यह विश्व स्तर पर स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप बैंकिंग प्रणाली के लचीलेपन में वृद्धि करेगा ।

शुक्रयान I

सन्दर्भ :-

हाल ही में, इसरो के अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम के सलाहकार ने कहा कि संगठन को अभी तक वीनस मिशन के लिए भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिली है और परिणामस्वरूप मिशन को 2031 तक के लिए स्थगित किया जा सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह एक ऑर्बिटर मिशन होगा।
- प्रक्षेपण यान - शुक्रयान-I को जीएसएलवी (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) एमके II पर लॉन्च किए जाने की संभावना है।
- मिशन के दिसंबर 2024 में लॉन्च होने की संभावना थी तथा इसके लगभग एक साल बाद 2026 के मध्य में (पृथ्वी और शुक्र संरेखित होंगे) कक्षीय युद्धाभ्यास की योजना बनाई गई थी।
- अगली समान विंडो 2031 में उपलब्ध होगी।

प्रमुख नियोजित प्रयोग

- इस मिशन से शुक्र की भूगर्भीय और ज्वालामुखीय गतिविधि, जमीन पर उत्सर्जन, हवा की गति, बादलों के आवरण और अंडाकार कक्षा से अन्य ग्रहों की विशेषताओं के अध्ययन की सम्भावना है।
- इसमें एक स्वीडिश-भारतीय उपकरण, एक वीनसियन न्यूट्रल एनालाइज़र ऑर्बिटर के साथ तैनात किया जाएगा।
- यह हमें सूर्य के आवेशित कण शुक्र के वातावरण के साथ परस्पर क्रिया के बारे में समझाने में सहायता करेगा।
- यू.एस. और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने 2031 के लिए वीनस मिशन की योजना बनाई है जिनका नाम क्रमशः वेरिटास और एनविज़न हैं ।

ग्रामीण उद्यमी योजना

N·S·D·C National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

प्रसंग

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री आज ग्रामीण उद्यमी योजना के तहत 200 आदिवासी महिलाओं के सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

इन आदिवासी महिलाओं ने झारखंड में ग्रामीण उद्यमी योजना के तीसरे चरण के तहत सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

ग्रामीण उद्यमी योजना के बारे में:

- इस योजना को जनजातीय समुदायों में उनके समावेशी और सतत विकास के लिए कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने के लिए आरम्भ किया गया था।
- कार्यक्रम के तहत, भारत के युवाओं को बहु-कौशल बनाने और आजीविका को सक्षम बनाने के लिए उन्हें कार्यात्मक कौशल प्रदान करने का प्रयास किया गया

है।

- इसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा वित्त पोषित है।
- कार्यक्रम के अंतर्गत , लोकसभा और राज्यसभा के 40 आदिवासी सांसदों द्वारा भारत के 15 राज्यों में 49 अनुसूचित जनजाति समूहों का चयन किया गया है।
- उनके नेतृत्व में संबंधित संकुलों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है. प्रत्येक क्लस्टर में सांसदों द्वारा एक विकास सहयोगी नियुक्त किया जाता है।
- इसे संसदीय संकुल परियोजना के तहत निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए लागू किया गया है-
  - ग्रामीण/स्थानीय अर्थव्यवस्था का विस्तार करें।
  - रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।
  - जबरन पलायन को कम करना और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को भी बढ़ावा देना।
- इसे छह राज्यों - महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और गुजरात में लागू किया जा रहा है।

पुडुचेरी में कृत्रिम दक्षिणी रीफ

प्रसंग

पुडुचेरी में अपतटीय कृत्रिम दक्षिणी रीफ के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

मुख्य विशेषताएं:

- पुडुचेरी के समुद्र तट के बड़े पैमाने पर क्षरण को संबोधित करने और शहर के प्राचीन समुद्र तट को बहाल करने के लिए एक संकर समाधान के भाग के रूप में एक अपतटीय कृत्रिम दक्षिणी चट्टान के निर्माण के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पुडुचेरी सरकार को राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रस्तुत की गई है।
- राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) ने विस्तृत तटीय प्रक्रियाओं का अध्ययन किया और पुडुचेरी के तट के उत्तरी हिस्से में पहली अपतटीय कृत्रिम चट्टान का निर्माण किया।
- एनआईओटी द्वारा रीफ की सफल तैनाती ने तरंग गतिविधि को कम करने में मदद की और समुद्र तट के साथ कटाव को रोकने के लिए रेत को स्वतंत्र रूप से उत्तर की ओर जाने की अनुमति दी।
- • हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश के समुद्र तट को अधिक लचीला बनाने का उद्देश्य है, क्योंकि दक्षिणी चट्टान के बिना, दक्षिण के समुद्र तट अस्थिर हो सकते हैं और पोषण समाप्त होने के बाद इन कोरल्स क्षरण हो सकता है।

'सागर परिक्रमा'

प्रसंग

मत्स्य विभाग (डीओएफ), मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार (जीओआई) ने 75वें आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम शुरू किया है।

सागर परिक्रमा के बारे में:

- 'सागर परिक्रमा' निम्नलिखित लक्ष्यों को पूर्ण करता है -
    - मछुआरों, तटीय समुदायों और हितधारकों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करना ताकि सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न मत्स्य संबंधी योजनाओं और कार्यक्रमों, जैसे 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) का प्रसार करना
    - आत्मनिर्भर भारत की भावना के रूप में सभी मछुआरों, मछली किसानों और संबंधित हितधारकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करना।
    - राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा और तटीय मछुआरा समुदायों की आजीविका के लिए समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के उपयोग के बीच सतत संतुलन पर ध्यान केंद्रित करते हुए जिम्मेदार मात्स्यिकी को बढ़ावा देना।
- समुद्री पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण करना ।
- 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम में समुद्री राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को चरणबद्ध तरीके से शामिल करने की परिकल्पना की गई है।
- सागर परिक्रमा कार्यक्रम तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करते हुए एक पूर्व-निर्धारित समुद्री मार्ग के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।
- • सागर परिक्रमा के तीसरे चरण का कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य में आयोजित किया जा रहा है और राज्य के अधिकारियों द्वारा एक अस्थायी योजना प्रस्तावित की गई है।

रिजिलिएंस एंड सस्टैनिबिलिटी समिट

प्रसंग

रिजिलिएंस एंड सस्टैनिबिलिटी समिट : विजन 2047 ने भारत के विशेषज्ञों एक मंच प्रदान किया जहाँ विषेशज्ञों ने वर्तमान और भविष्य के आपदा जोखिमों और जलवायु संदर्भों के साथ-साथ उनके बदलते परिदृश्यों के प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

मुख्य विशेषताएं:

- शिखर सम्मेलन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (NIDM), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और GIZ- भारत के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है।

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु लचीलापन के लिए एक एकीकृत रणनीतिक ढांचे के तहत 'स्थानीयकरण' एजेंडे के लिए एक यथार्थवादी रोडमैप के साथ-साथ शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श से भविष्य के 'जोखिम और लचीलापन' के प्रमुख संदर्भों की पहचान करने की सम्भावना है।
- यह जी-20 शिखर सम्मेलन, पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापना के लिए संयुक्त राष्ट्र दशक, और मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीसीडी), आदि से संबंधित सहित हाल की, पिछली और प्रस्तावित पहलों को भी प्रस्तुत करेगा।
- ESCAP एशिया प्रशांत आपदा रिपोर्ट 2022 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत को अनुकूलन के लिए US$46.3 बिलियन का वार्षिक निवेश की आवश्यकता है।

सैन्य रणक्षेत्रम 2.0

प्रसंग

मुख्यालय सेना प्रशिक्षण कमान (एआरटीआरएसी) के तत्वावधान में भारतीय सेना ने हैकथॉन के दूसरे संस्करण का आयोजन किया जिसे "सैन्य रणक्षेत्रम 2.0" नाम दिया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह अभ्यास साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अभिनव समाधानों के लिए परिचालन साइबर चुनौतियों के समाधान और जम्प स्टार्ट और टेलीस्कोप के विकास के समय की तलाश करती है।
- इस आयोजन का उद्देश्य निम्नलिखित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्वदेशी प्रतिभा की पहचान करने और के क्षेत्र में प्रशिक्षण के मानक को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करना है-
  - साइबर निवारण।
  - सुरक्षा सॉफ्टवेयर कोडिंग।
  - इलेक्ट्रो मैग्नेटिक स्पेक्ट्रम ऑपरेशंस (EMSO)।
  - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस / मशीन लर्निंग (एआई / एमएल)।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare